



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 206]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 1, 2013/श्रावण 10, 1935

No. 206]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 1, 2013/SHRAVANA 10, 1935

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान

(संसद के एक अधिनियम द्वारा गठित)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए(23)/2007.-चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा श्री राजेश त्रिपाठी (सदस्यता सं. 093840) चार्टर्ड एकाउंटेंट, द्वारा राजेश त्रिपाठी एंड कं., हाउस नं. 251, स्ट्रीट सं. 12, भूतल, अमृतपुरी, बी. ईस्ट ऑफ कैलाश, इस्कॉन मंदिर के समीप, नई दिल्ली 110065 को चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग I के खंड (11) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात् संस्थान की परिषद् ने पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में उक्त श्री राजेश त्रिपाठी को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया कि उनके नाम को एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री राजेश त्रिपाठी (सदस्यता सं. 093840) का नाम तारीख 1 अगस्त, 2013 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

बन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA**(Set up by an Act of Parliament)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No. 25-CA(23)/2007.— In terms of the provisions of Section 21(3) of the Chartered Accountants Act, 1949

Shri Rajesh Tripathi, (Membership No.093840), Chartered Accountant, C/o Rajesh Tripathi & Co., H.No. 251, Street No. 12, Ground Floor, Amritpuri, B, East of Kailash, Near Iskon Temple, New Delhi 110 065 has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of ‘Professional Misconduct’ falling within the meaning of Clause (11) of Part I of the First Schedule read with Sections 21 & 22 of the Chartered Accountants Act, 1949. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said **Shri Rajesh Tripathi**, ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Rajesh Tripathi (Membership No.093840)** shall stand removed from the Register of Members of the Institute for a period of one (1) month with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/13]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए(24)/1986.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (सदस्यता सं. 016535) चार्टर्ड एकाउंटेंट, 47B/46A, माधव कुंज, प्रताप नगर, आगरा - 282010 को चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की पहली अनुसूची के खंड (10) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' और उक्त अधिनियम की धारा 22 के साथ पठित धारा 21 के अधीन 'अन्य कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात् संस्थान की परिषद् ने चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की पहली अनुसूची के खंड (10) के अर्थान्तर्गत आने वाले पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में उक्त श्री दिनेश कुमार अग्रवाल को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनके नाम को एक (1) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। श्री दिनेश कुमार अग्रवाल ने संस्थान की परिषद् द्वारा पारित आदेश को वर्ष 1998 की एफएएफओ सं.473 द्वारा इलाहाबाद स्थित माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी। माननीय उच्च न्यायालय ने पूर्वोक्त अपील को खारिज कर दिया। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (सदस्यता सं.016535) का नाम तारीख 01 अगस्त, 2013 से एक (1) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

बन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No.25-CA(24)/1986.—In terms of the provisions of Section 21(3) of the Chartered Accountants Act, 1949 Shri Dinesh Kumar Agarwal (Membership No.016535), Chartered Accountant, 47B/46A, Madhav Kunj, Pratap Nagar, Agra 282 010 has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (10) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 and 'Other Misconduct' within the meaning of Section 21 read with Section 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct falling

within the meaning of Clause (10) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said **Shri Dinesh Kumar Agarwal**, ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of one (1) year. **Shri Dinesh Kumar Agarwal** challenged the order passed by the Council of the Institute in FAFO 473 of 1998 before the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad. The Hon'ble High Court dismissed the aforesaid Appeal. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Dinesh Kumar Agarwal** (Membership No.016535) shall stand removed from the Register of Members of the Institute for a period of one (1) year with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/13]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए(49 और 50)/2003.-चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा श्री मनोज कुमार बंसल (सदस्यता सं. 093246) चार्टर्ड एकाउंटेंट, बंसल भवन, मेन रोड, रात्रकेला - 769 001 को चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग I के खंड (8), खंड (9) और खंड (12) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, संस्थान की परिषद् ने पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में उक्त श्री मनोज कुमार बंसल को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया कि उनके नाम को तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री मनोज कुमार बंसल (सदस्यता सं. 093246) का नाम तारीख 1 अगस्त, 2013 से तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

NOTIFICATION.

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No. 25-CA(49 & 50)/2003.— In terms of the provisions of Section 21(3) of the Chartered Accountants Act, 1949 **Shri Manoj Kumar Bansal, (Membership No.093246), Chartered Accountant, Bansal Building, Main Road, Rourkela 769 001** has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of ‘Professional Misconduct’ falling within the meaning of Clauses (8), (9) and (12) of Part I of the First Schedule read with Sections 21 & 22 of the Chartered Accountants Act, 1949. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said **Shri Manoj Kumar Bansal**, ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of three (3) months. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said **Shri Manoj Kumar Bansal (Membership No.093246)** shall stand removed from the Register of Members of the Institute for a period of three (3) months with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/13]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं.डीडी/36/08/डीसी/03/2008.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री संजय सूद (सदस्यता सं. 072996), चार्टर्ड एकाउंटेंट, बी-163, साकेत, मेरठ 250 003 को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 4 के खंड (2) के अर्थान्तर्गत आने वाले ‘अन्य कदाचार’ और साथ ही दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (7) के अर्थान्तर्गत आने वाले ‘वृत्तिक कदाचार’ का भी दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री संजय सूद को सुनवाई का अवसर प्रदान किया और यह आदेश किया कि पूर्वोक्त श्री संजय सूद का नाम दस (10) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए और साथ ही उन पर 3 लाख रुपए का जुर्माना भी अधिरोपित किया।

—३३६। ६८। १३-२

तदुपरान्त, धारा 22छ(1) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री संजय सूद ने अनुशासन समिति के पूर्वक्त आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील की । अपील प्राधिकारी ने अपील की सुनवाई की एक पूर्व-शर्त के रूप में श्री संजय सूद को 3 लाख रुपए का जुर्माना जमा करने का आदेश दिया, जो उनके द्वारा सम्यक्तः जमा किए गए । तत्पश्चात्, अपील प्राधिकारी ने पूर्वक्त अधिनियम की धारा 22छ(2)(ख) के निबंधनानुसार उक्त श्री संजय सूद पर अधिरोपित जुर्माने को बढ़ा दिया और यह निर्देश दिया कि श्री संजय सूद के नाम को दस वर्ष के स्थान पर स्थायी रूप से सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए । इसके अनुसरण में और पूर्वक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चार्ट्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री संजय सूद (सदस्यता सं. 072996) का नाम तारीख 01 अगस्त, 2013 से स्थायी रूप से सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा ।

बन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No. DD/36/08/DC/03/2008.— In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, Shri Sanjay Sud (M.No.072996), Chartered Accountant, B-163, Saket, Meerut 250 003 has been found guilty of ‘Other Misconduct’ falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of the First Schedule and also guilty of ‘Professional Misconduct’ falling within the meaning of Clause (7) of Part I of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Sanjay Sud and ordered that the name of Shri Sanjay Sud be removed from the Register of Members for a period of Ten (10) years and also imposed a fine of Rs. 3 lac upon him. Subsequently, in terms of provisions of Section 22G(1), Shri Sanjay Sud appealed against the aforesaid order of the Disciplinary Committee before the Appellate Authority. The Appellate Authority ordered Shri Sanjay Sud to deposit the fine of Rs. 3 lac as a pre-condition for hearing the appeal which was duly deposited by him. Thereafter, in terms of Section 22G(2)(b) of the aforesaid Act, the Appellate Authority enhanced the penalty awarded to Shri Sanjay Sud and directed that the name of Shri Sanjay Sud be removed from the Register of Members permanently instead of ten years. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under

Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Sanjay Sud, (M.No.072996) shall stand removed from the Register of Members Permanently with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)
[ADVT. III/4/Exty./104/13]

अधिसूचना
नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013
(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं.डीडी/49/डब्ल्यू/आईएनएफ/08/डीसी/55/2010.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री राजेश कुमार वसंतलाल दूधवाला (संदस्यता सं. Q38264), मैसर्स आर.वी. दूधवाला एंड कं., चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, 104, दलाल चैम्बर्स, भाजीवाली पोल, भागल, सूरत 395 003 को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की दूसरी अनुसूची के आगे 1 के खंड (7) के अर्थान्तर्गत आने वाले वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री राजेश कुमार वसंतलाल दूधवाला को सुनवाई का अवसर प्रदान किया। तदनुसार, समिति ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया था कि श्री राजेश कुमार वसंतलाल दूधवाला का नाम एक (1) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। तदुपरान्त, धारा 22छ(1) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री राजेश कुमार वसंतलाल दूधवाला ने अनुशासन समिति के पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील की। तथापि, अपील प्राधिकारी ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 22छ(2)(क) के उपबंधों के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 21ख(3) के अधीन अनुशासन समिति द्वारा पारित आदेश की पुष्टि की। श्री राजेश कुमार वसंतलाल दूधवाला ने अपील प्राधिकारी द्वारा पारित आदेश और साथ ही अनुशासन समिति द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध विशेष सिविल आवेदन द्वारा अहमदाबाद स्थित माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के समक्ष अपील की। माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने अपील प्राधिकारी और अनुशासन समिति द्वारा पारित आदेशों से सहमत होते हुए, पूर्वोक्त विशेष सिविल आवेदन को खारिज कर दिया। श्री राजेश कुमार वसंतलाल दूधवाला ने अहमदाबाद स्थित माननीय गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को 2013 की एलपीए सं.28 द्वारा आगे और चुनौती दी, जिसे श्री खारिज कर दिया गया। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री राजेश कुमार वसंतलाल दूधवाला (संदस्यता सं. 038264) का नाम तारीख 01 अगस्त, 2013 से एक (1) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

बन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)
[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No. DD/49/W/INF/08/DC/55/2010.—In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, Shri Rajeshkumar Vasantlal Dudhwala, (M.No.038264), M/s R.V. Dudhwala & Co., Chartered Accountants, 104, Dalal Chambers, Bhajiwali Pole, Bhagal, Surat 395 003, has been found guilty of 'Professional Misconduct' falling within the meaning of Clause (7) of Part I of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Rajeshkumar Vasantlal Dudhwala. Accordingly, the Committee has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act, ordered that the name of Shri Rajeshkumar Vasantlal Dudhwala be removed from the Register of Members for a period of one (1) year. Subsequently, in terms of provisions of Section 22G(1), Shri Rajeshkumar Vasantlal Dudhwala appealed against the aforesaid order of the Disciplinary Committee before the Appellate Authority. However, the Appellate Authority as per provisions of Section 22G(2)(a) of the aforesaid Act, confirmed the order passed by the Disciplinary Committee under Section 21B(3) of the said Act. Shri Rajeshkumar Vasantlal Dudhwala further challenged the order passed by the Appellate Authority as well as the order passed by the Disciplinary Committee before the Hon'ble Gujarat High Court at Ahmedabad in his Special Civil Application. The Hon'ble Gujarat High Court while agreeing with the order passed by the Appellate Authority and the Disciplinary Committee dismissed the aforesaid Special Civil Application. Shri Rajesh Kumar Vasantlal Dudhwala further challenged the order passed by the Hon'ble Gujarat High Court at Ahmedabad in his LPA No. 28 of 2013 which was also dismissed. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Rajeshkumar Vasantlal Dudhwala, (M.No.038264), shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) year with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/13]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं.डीडी/16/एन/आईएनएफ/08/डीसी/63/2010.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पृथित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री राजीव शर्मा (सदस्यता सं. 082378), चार्टर्ड एकाउंटेंट, ई-133, ग्रेटर कैलश पार्ट-1, नई दिल्ली 110 048 को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसंधी के भाग 4 के खंड (2) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'अन्य कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पृथित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री राजीव शर्मा को सुनवाई का अवसर प्रदान किया। तदनुसार, समिति ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 21ख की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश किया कि पूर्वोक्त श्री राजीव शर्मा के नाम को तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए और साथ ही उन पर 1,00,000 रुपए (एक लाख रुपए) का जुर्माना भी अधिरोपित किया, जिसको संदर्भ कर दिया गया। तदुपरान्त धारा 22छ(1) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री राजीव शर्मा ने अनुशासन समिति के पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील की। तत्पश्चात्, अपील प्राधिकारी ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 22छ(2)(क) के निबंधनानुसार उक्त अधिनियम की धारा 21ख(3) के अधीन अनुशासन समिति द्वारा पारित आदेश की पुष्टि की। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री राजीव शर्मा (सदस्यता सं. 082378) का नाम तारीख 01 अगस्त, 2013 से तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

3361 65|13-3

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No. DD/16/N/INF/08/DC/63/2010.~ In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, Shri Rajiv Sharma (M.No.082378), Chartered Accountant, E-133, Greater Kailash, Part - 1, New Delhi 110 048 has been found guilty of 'Other Misconduct' falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee afforded an opportunity of hearing to the said Shri Rajiv Sharma. Accordingly, the Committee has in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 21B of the aforesaid Act ordered that the name of aforesaid Shri Rajiv Sharma be removed from the Register of Members for a period of three (3) months and also imposed a fine of Rs.1,00,000/- (One lakh only) upon him which stands paid. Subsequently, in terms of provisions of Section 22G (1), Shri Rajiv Sharma appealed against the aforesaid order of the Disciplinary Committee before the Appellate Authority. Thereafter, in terms of Section 22G(2)(a) of the aforesaid Act, the Appellate Authority confirmed the order passed by the Disciplinary Committee under Section 21B(3) of the said Act. Thus, in pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Rajiv Sharma, (M.No. 082378), shall stand removed from the Register of Members for a period of three (3) months with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/13]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं.डी.डी./09/09/डी.सी./88/2010.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, मैसर्स कैएसपीएन एंड एसोसिएट्स के श्री कमल कुमार (सदस्यता सं. 083803), चार्टर्ड एकाउंटेंट, 137, गर्ग प्लाजा, संत नगर रोड, कम्युनिटी सेन्टर, पीतमपुरा, दिल्ली 110 034 और सीपी-164, मौर्य एन्क्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली 110 034, को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 4 के खंड (2) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'अन्य कदाचार' और साथ ही दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (7) और खंड (8) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का भी दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री कमल कुमार को सुनवाई का अवसर प्रदान किया और यह आदेश दिया कि श्री कमल कुमार का नाम तीन (3) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए और साथ ही उन पर 2 लाख रुपए का जुर्माना भी अधिरोपित किया। तदुपरान्त, धारा 22छ(1) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री कमल कुमार ने अनुशासन समिति के पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील की और अपील प्राधिकारी के आदेशों के अनुसार, अपील को स्वीकार करने की एक पूर्व-शर्त के रूप में अपीलार्थी को 2 लाख रुपए जमा करने का निर्देश दिया, जो उनके द्वारा संदर्त किए गए। तत्पश्चात्, अपील प्राधिकारी ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 22छ(2)(ख) के निबंधनानुसार श्री कमल कुमार पर अधिरोपित शास्ति को कम करके 1 लाख रुपए कर दिया और यह निर्देश दिया कि श्री कमल कुमार के नाम को तीन वर्ष के स्थान पर डेढ वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटाया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री कमल कुमार (सदस्यता सं. 083803) का नाम तारीख 01 अगस्त, 2013 से डेढ वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

बन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

३३६१ ६५१३-५

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No. DD/09/09/DC/88/2010.—In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, Shri Kamal Kumar (M.No. 083803), of M/s KSPN & Associates, Chartered Accountants, 137, Garg Plaza, Sant Nagar Road, Community Centre, Pitampura, Delhi 110 034, and CP-164, Maurya Enclave, Pitampura, Delhi 110 034 has been found guilty of ‘Other Misconduct’ falling within the meaning of Clause (2) of Part IV of the First Schedule and also guilty of ‘Professional Misconduct’ falling within the meaning of Clauses (7) and (8) of Part I of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Kamal Kumar and ordered that the name of Shri Kamal Kumar be removed from the Register of Members for a period of three (3) years and also imposed a fine of Rs. 2 lac upon him. Subsequently, in terms of provisions of Section 22G(1), Shri Kamal Kumar appealed against the aforesaid order of the Disciplinary Committee before the Appellate Authority and as per orders of the Appellate Authority as a pre-condition for admission of the appeal directed the appellant to deposit Rs. 2 lac which was paid by him. Thereafter, in terms of Section 22G(2)(b) of the aforesaid Act, the Appellate Authority reduced the penalty awarded to Shri Kamal Kumar to Rs. 1 lac and directed that the name of Shri Kamal Kumar be removed from the Register of Members for a period of one and a half year instead of three years. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Kamal Kumar (M.No.083803), shall stand removed from the Register of Members for a period of one and a half year with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/13]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2013

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं.डीडी/24/08/डोसी/06/2008, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18 के उपनियम (17) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, श्री महेन्द्र कुमार महाजन (सदस्यता सं. 008836) चार्टर्ड एकाउंटेंट, 6, प्रताप पार्क, रेसीडेंसी रोड, श्रीनगर - 190001 और 61/19, रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली - 110 005 को संस्थान की अनुशासन समिति द्वारा, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (11) और दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (4) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) के साथ पठित धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार, अनुशासन समिति ने उक्त श्री महेन्द्र कुमार महाजन को सुनवाई का अवसर प्रदान किया और यह आदेश किया कि श्री महेन्द्र कुमार महाजन का नाम एक (1) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। तदुपरान्त, धारा 22छ(1) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री महेन्द्र कुमार महाजन ने अनुशासन समिति के पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील की। तथापि, अपील प्राधिकारी ने पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 22छ(2)(क) के उपबंधों के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 21ख(3) के अधीन अनुशासन समिति द्वारा पारित आदेश की पुष्टि की। श्री महेन्द्र कुमार महाजन ने अपील प्राधिकारी द्वारा पारित आदेश और साथ ही अनुशासन समिति द्वारा पारित आदेश को माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी रिट याचिका के द्वारा चुनौती दी। तथापि, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपील प्राधिकारी और अनुशासन समिति द्वारा पारित आदेशों से सहमत होते हुए, श्री महेन्द्र कुमार महाजन पर अधिरोपित जुर्माने को कम कर दिया और यह आदेश दिया कि उनके नाम को सदस्यों के रजिस्टर से छह (6) मास की अवधि के लिए हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में और पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री महेन्द्र कुमार महाजन (सदस्यता सं. 008836) का नाम तारीख 01 अगस्त, 2013 से छह (6) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

बन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/असा./104/13]

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2013

(Chartered Accountants)

No. DD/24/08/DC/06/2008.— In terms of the provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (17) of Rule 18 of the Chartered Accountants (Procedure of Investigation of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, Shri Mahendra Kumar Mahajan, (M.No.008836), Chartered Accountant, 6, Pratap Park, Residency Road, Srinagar – 190 001 and 61/19, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi 110 005, has been found guilty of ‘Professional Misconduct’ falling within the meaning of Clause (11) of Part I of the First Schedule and Clause (4) of Part I of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006] by the Disciplinary Committee of the Institute. Thereafter, in terms of provisions of Section 21B(3) read with sub-rule (1) of Rule 19 of the aforesaid Rules, the Disciplinary Committee, afforded an opportunity of hearing to the said Shri Mahendra Kumar Mahajan and ordered that the name of Shri Mahendra Kumar Mahajan be removed from the Register of Members for a period of one (1) year. Subsequently, in terms of provisions of Section 22G(1), Shri Mahendra Kumar Mahajan appealed against the aforesaid order of the Disciplinary Committee before the Appellate Authority. However, the Appellate Authority as per provisions of Section 22G(2)(a) of the aforesaid Act, confirmed the order passed by the Disciplinary Committee under Section 21B(3) of the said Act. Shri Mahendra Kumar Mahajan further challenged the order of the Appellate Authority as well as the order passed by the Disciplinary Committee before the Hon’ble Delhi High Court in his Writ Petition. The Hon’ble Delhi High Court while agreeing with the order passed by the Appellate Authority and the Disciplinary Committee, however, reduced the penalty imposed on Shri Mahendra Kumar Mahajan and ordered for the removal of his name from the Register of Members for a period of six (6) months. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, it is hereby notified under Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that the name of said Shri Mahendra Kumar Mahajan, (M.No.008836), shall stand removed from the Register of Members for a period of six (6) months with effect from 1st August, 2013.

VANDANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/Exty./104/13]